आज का पुरुषार्थ 30 June 2022

Source: BK Suraj bhai **Website**: www.shivbabas.org

धारणा – *" आज से व्यर्थ के तेरे-मेरे के उलझनों से सम्पूर्ण मुक्त बन* ***डबल लाइट फ़रिश्ते*** *स्थिति में सदा के लिए स्थित रहने का तीव्र पुरुषार्थ करे "*

हम सभी के भाग्य के क्या कहने? भगवान की गोद में आ गये। और उसके गोद में आकर उसके बच्चे बनकर बहुत सुख पाया, विश्राम पाया। जन्म जन्म की भक्ति की और विकारों की थकान मिटा दी।

वाह बाबा वाह ! तुमने आकर हमें निहाल कर दिया। हमारे जन्म जन्म के कष्ट हर लिए। हमें बहुत बहुत सुख प्रदान किया। और एक महान लक्ष्य दिया ..

" बच्चे ! अपने दृष्टि वृत्ति को बेहद के बनाओ .. तुम्हे फ़रिश्ता बनना है "

" फ़रिश्ता एक दो का नहीं होता .. सारे संसार का होता है .. फ़रिश्ता बेहद का होता है .. **मैसेंजर** होता है .. गॉडली मैसेंजर .. वो **डबल लाइट** होता है .. **सम्पूर्ण पवित्र** होता है .. बहुत शक्तिशाली होता है .. और होता है विश्वकल्याणकारी "

तो हमें अपने को बेहद में ले चलना है। अगर हम हद के तेरे मेरे रहेंगे, यदि हम मैं और मेरे पन में ही उलझे होंगे तो हम **विश्वकल्याणकारी** कदापि नहीं बन पायेंगे। हम फ़रिश्ते स्वरुप का अनुभव कभी नहीं कर पायेंगे।

हम रोज़ याद करे, आज तो विशेष याद करे ...

" **मैं महान हूँ .. पूर्वज हूँ .. बाप समान हूँ .. विश्वकल्याणकारी हूँ** .. मुझे तो विश्व की पालना करनी है .. मेरा जन्म ही इस महान कार्य के लिए हुआ है .. बाबा ने मेरी पालना ही इस महान कार्य के लिए किये है .. उसने मुझे शक्तियाँ और वरदान भी इस महान कार्य के लिए दिए है "

इससे हमारी दृष्टि वृत्ति बहुत महान हो जायेगी। और जब हम बेहद की सेवाओं में व्यस्त होते है तो यह व्यर्थ, यह छोटी-मोटी चिन्तायें, यह तेरे-मेरे के बातें, यह उलझनें सब समाप्त हो जाती है।

जैसे एक स्लोगान, जो सब के पास है ...

" लक्ष्य को इतना महान बना दो कि व्यर्थ के लिए समय ही न बचें "

हमारा लक्ष्य सम्पूर्ण फ़रिश्ता बनकर विश्व को बाबा का **मैसेज देना है**, प्रकृति को पावन करना है, हमें **विश्वकल्याणकारी** बनना है। और रहना है .. बहुत लाइट।

हम **लाइट** हो जाये और अपने को हमेशा **प्रकाश** की शरीर में विराजमान देखें ... हमारे अंग अंग से लगातार वायब्रेशन्स फैलते है। रंग-बिरंगी किरणें फैलती है।

बाबा ने एकबार एक बात कहे थे ...

" वतन में एकबार तीन फ़रिश्ते इमर्ज हुए .. तीनों ही एडवांस पार्टी की महान आत्मायें थी .. और बाबा ने तब हाथ में हीरे लिए .. और उसके

पाउडर बनाकर सब पर छिड़क दिये .. और सबके अंग अंग से रंग बिरंगी बहुत आकर्षित करने वाली किरणें फैलने लगी "

ऐसा ही अभ्यास हम भी करे :

" बाबा सामने खड़े है .. हाथ में हीरे लिए .. दबाकर पाउडर बना दिया .. और हमारे ऊपर छिड़क दिया "

और हमारे अंग अंग से **पवित्रता** की .. **शक्तियों** की .. **सर्वगुणों** की .. हमारे feelings की रंग-बिरंगी किरणें फैलने लगी ..

मैं आत्मा अलग चमक रही हूँ .. यह देह जो प्रकाश का है .. इससे फैलती हुई रंग-बिरंगी किरणें अलग दिख रही है "

बहुत अच्छी तरह आज सारा दिन इसको enjoy करेंगे और **मन के सारे बोझ बाबा को दे देंगे।** हम बाबा के यह महान कार्य करे तो बाबा हमारे बोझ लेते रहेंगे, हमारी जिम्मेदारियाँ सम्भालते रहेंगे।

हम उनके जिम्मेदारी सम्भाले और वो हमारी चिन्तायें, हमारी जिम्मेदारियों को सम्भालते रहेंगे। और उनके लिए यह सबकुछ सम्भालना बिल्कुल एक छोटा सा खेल है।

तो आज सारा दिन ...

" मैं फ़रिश्ता हूँ .. और ऊपर से बाबा की पवित्र किरणें मुझ पर पड़ रही है "

... यह अभ्यास करेंगे ...

।। ओम शान्ति ।।

BK Google: www.bkgoogle.org

Website: www.shivbabas.org